UNIVERSITY NEWS 06 AUJUST 2026

VOICE OF LUCKNOW

गले के कैंसर की सटीक पहचान के लिए नया एआई मॉडल विकसित

लखनऊ। लविवि के कंप्यूटर साइंस विभाग के शोधकर्ताओं ने चिकित्सा विज्ञान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में एक बड़ी और क्रांतिकारी सफलता हासिल की है। कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रो. पुनीत मिश्रा के नेतृत्व में रिसर्च स्कॉलर मो. उस्मान, प्रज्ञनिक्स लैब्स के सिद्धार्थ चौरसिया और मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर की डॉ. गिनिका महाजन ने मिलकर गले के कैंसर की पहचान और वर्गीकरण के लिए एक अत्याधुनिक एआई मॉडल मेडलेक-एससीनेट विकसित किया है।

यह महत्वपूर्ण शोध पत्र प्रतिष्ठित वैज्ञानिक जर्नल प्रकाशन नेचर पोर्टफोलियो के साइंटिफिक रिपोटर्स में प्रकाशित हुआ है, जो लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए एक अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

लारेंजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा फेफड़े के कैंसर के बाद सांस नली से जुड़ा दूसरा सबसे आम और जानलेवा कैंसर है। तंबाकू, बीड़ी-सिगरेट और गुटखा के अत्यधिक सेवन के कारण उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में यह बीमारी तेजी से बढ़ रही है। शुरूआती अवस्था में कैंसर के सूक्ष्म लक्षणों को साधारण एंडोस्कोपी से पहचानना बेहद जटिल और समय लेने वाला होता है। समय पर सही पहचान न होने के कारण मरीजों का इलाज में देरी हो जाती है, जिससे जान का खतरा बढ़ जाता है।

विकसित किया गया मेडलेक-एससीनेट मॉडल एक मल्टी-स्केल पदानुक्रमित संलयन तंत्रिका नेटवर्क है। यह मॉडल नैरो बैंड इमेजिंग और एंडोस्कोपिक छवियों का विश्लेषण करके कैंसर के मुख्य व सूक्ष्म रक्त वाहिका पैटर्न को अत्यधिक सटीकता के साथ वर्गीकृत करता है। यह कंप्यूटर की जटिलता को कम करते हुए छवियों की गहरी बारीकियों को समझता है, जिससे डॉक्टरों को त्वरित और सटीक निर्णय लेने में मदद मिलती है।

AMRIT VICHAR

सीडीपीआर की स्थापना, प्रो. अरविंद मोहन बने निदेशक

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के साथ हुए एमओयू के तहत सेंटर फॉर डवलपमेंट एंड पॉलिसी रिसर्च (सीडीपीआर) की स्थापना का संशोधित कार्यालय आदेश जारी किया है। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा की ओर से जारी आदेश के अनुसार, विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. अरविंद मोहन को सेंटर का निदेशक नियुक्त किया गया है। वह इस पद पर एमओयू की अवधि अथवा सेवानिवृत्ति तक, जो भी पहले हो, कार्य करेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस संबंध में 24 जुलाई को जारी पूर्व कार्यालय आदेश को निरस्त करते हुए संशोधित आदेश लागू कर दिया है।

शोध | लखनऊ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रो. पुनीत मिश्रा की टीम ने तैयार किया 'मेडएलके-एससीनेट

गले के कैंसर को शुरुआत में ही बता देगा एआई का मॉडल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: दुनिया भर में चिकित्सा विज्ञान के लिए चुनौती बनी गले और मुख के कैंसर की देरी का समाधान लखनऊ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग ने ढूंढ लिया है। यहां के प्रो. पुनीत मिश्रा की टीम ने एआई आधारित ''मेडएलके-एससीनेट'' मॉडल तैयार किया है, जिससे गले और मुख के कैंसर की समय पर सटीक पहचान हो जाएगी।

मॉडल को नेचर समूह की प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित किया गया है। इनोवेटिव डीप लर्निंग फ्रेमवर्क के तहत विकसित यह मॉडल प्रो. पुनीत के नेतृत्व में शोधार्थी मो. उस्मान, प्रज्ञनिक्स लैब्स के सिद्धार्थ चौरसिया और मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर की डॉ. गिनिका महाजन तैयार किया है।

इससे आम जनता और ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ते व शुरुआती कैंसर डायग्नोस्टिक सुविधा मिल सकेगी। समय पर सही पहचान न होने के कारण मरीजों का इलाज में देरी हो जाती है, जिससे जान का खतरा बढ़ जाता है।

प्रो. पुनीत ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य ऐसी एआई तकनीक तैयार करना था जो केवल कागजों या लैब तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक इसका लाभ पहुंचे। हमारा मॉडल डॉक्टरों के लिए एक सहायक टूल के रूप में कार्य करेगा, जिससे गले के कैंसर की शुरुआती पहचान आसान, तेज और सस्ती हो सकेगी।

एआई 'मेडएलके-एससीनेट' मॉडल की विशेषता

- यह मॉडल एक मल्टी स्केल पदानुक्रमित संलयन तंत्रिका नेटवर्क है। यह मॉडल नैरो बैंड इमेजिंग और एंडोस्कोपिक छवियों का विश्लेषण करके कैंसर के मुख्य व सूक्ष्म रक्त वाहिका पैटर्न को अत्यधिक सटीकता के साथ वर्गीकृत करता है। यह कंप्यूटर की जटिलता को कम करते हुए छवियों की गहरी बारीकियों को समझता है, जिससे डॉक्टरों को त्वरित और सटीक निर्णय लेने में मदद मिलती है।

प्रो पुनीत मिश्रा।

फेफड़े के बाद सांस नली का कैंसर सर्वाधिक खतरनाक

- लारेंजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (एलएससीसी) फेफड़े के कैंसर के बाद सांस नली से जुड़ा दूसरा सबसे आम और जानलेवा कैंसर है। तंबाकू, बीड़ी-सिगरेट और गुटखा के अत्यधिक सेवन के कारण उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में यह बीमारी तेजी से बढ़ रही है। शुरुआती अवस्था में कैंसर के सूक्ष्म लक्षणों को साधारण एंडोस्कोपी से पहचानना बेहद जटिल और समय लेने वाला होता है।

TIMES OF INDIA

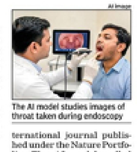

LU scholar's AI tool enables fast, economical cancer test

Times News Network

Lucknow: Researchers at Lucknow University's computer science department developed an artificial intelligence (AI)-based tool to help doctors diagnose throat cancer at an early stage. Researchers say the technology could make diagnosis faster, more accurate and affordable, especially in places where oncologists are not easily available.

The research was led by LU computer centre incharge Prof Puneet Misra along with research scholar Mohammad Usman, Siddharth Chaurasia of Pragnanix Labs and Ginika Mahajan of Manipal University Jaipur.

The study was published in 'Scientific Reports', an international journal published under the Nature Portfolio. The AI model, called MedLK-SCNet, studies images of the throat taken during endoscopy. It also uses Narrow Band Imaging (NBI), a special imaging technique that helps doctors see tiny blood vessels more clearly. By carefully analysing these images, the AI can identify signs of cancer that may be difficult for the human eye to spot in the early stages.

Researchers said throat cancer is one of the most serious cancers affecting the voice box. It is common among people who use tobacco products such as cigarettes, 'beedi' and 'gutkha'. Detecting the disease early is often difficult, and delays in diagnosis can make treatment harder.

"Our aim was to create technology that can reach people beyond laboratories. MedLK-SCNet can support doctors in finding throat cancer earlier, making diagnosis quicker, more accurate and less expensive, especially in rural and underserved areas," said Misra.

AI image

The AI model studies images of throat taken during endoscopy

AMRIT VICHAR

प्रोफेसर राम मिलन बने कार्यक्रम निदेशक

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर राम मिलन को एमबीए फाइनेंस एंड अकाउंटिंग का कार्यक्रम निदेशक नियुक्त किया गया है। कुलपति के अनुमोदन के बाद कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा की ओर से जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, प्रो. राम मिलन अपने विभागीय दायित्वों के साथ यह अतिरिक्त जिम्मेदारी भी निभाएंगे। यह नियुक्ति तीन वर्ष अथवा सेवानिवृत्ति तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगी।

छात्रावास आवंटन की अंतिम तिथि 8

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्रावास पुनः आवंटन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब स्नातक, एलएलबी और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के पात्र विद्यार्थी 8 अगस्त तक छात्रावास पुनः आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. आशीष अवस्थी की ओर से बुधवार को जारी सूचना के अनुसार यह निर्णय यूजी के तृतीय, सप्तम एवं नवम सेमेस्टर, एलएलबी के तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर और पीजी के तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए लागू होगा।

AAJ

लविवि का सरोजनी नगर में खुलेगा तीसरा कैंपस

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने लविवि के तीसरे कैम्पस को खोलने को लेकर प्रयास तेज कर दिये हैं। लविवि प्रशासन के अनुसार इसके लिए सरोजनी नगर के पिपरसंड गांव के पास 50 हेक्टेअर जमीन दिए जाने पर सहमति बन चुकी है, लेकिन यह जमीन सीधे लखनऊ विश्वविद्यालय को नहीं मिल सकेगी। इसके लिए कैबिनेट से मंजूरी लेनी होगी, फिर जमीन लविवि के नाम ट्रांसफर की जा सकेगी। इस संबंध में लविवि ने प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को पत्र लिखकर कैबिनेट में प्रस्ताव भेजने का अनुरोध किया है। जानकारी के अनुसार पिपरसंड में 50 हेक्टेअर जमीन कृषि विभाग की जमीन दिए जाने पर सहमति मिल गई है, लेकिन इसे पाने के लिए सबसे पहले कृषि विभाग कैबिनेट से मंजूरी प्राप्त कर जमीन उच्च शिक्षा विभाग को ट्रांसफर करेगा। फिर वहां से लखनऊ विश्वविद्यालय के नाम स्थानांतरित की जा सकेगी। दरअसल लवि में अभी ओएनजीसी भवन में अस्थायी रूप से कृषि संकाय की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। इसके नए कैंपस के लिए कई साल से जमीन पाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। यह जानकारी देते हुए लविवि के कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने बताया कि प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को पत्र भेजकर कैबिनेट के माध्यम से इस प्रक्रिया को पूरा करने का आग्रह किया गया है। जमीन मिलने के बाद पिपरसंड में कृषि संकाय के रूप में तीसरा कैंपस खोला जाएगा। वहां कृषि से जुड़े परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित होंगे और छात्र-छात्राओं को प्रयोग करने का भी मौका मिलेगा। कुलपति के अनुसार तीसरा कैम्पस बनने के बाद विवि का विस्तार और अधिक होगा जिसका सीधा लाभ छात्र-छात्राओं को मिलेगा।

I NEXT

गले के कैंसर की होगी सटीक पहचान

एलयू के कंप्यूटर साइंस विभाग का शोध साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित

LUCKNOW (5 Aug): लखनऊ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रो. पुनीत मिश्रा के नेतृत्व में रिसर्च स्कालर मो. उस्मान, प्रज्ञनिक्स लैब्स के सिद्धार्थ चौरसिया और मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर की डा. गिनिका महाजन ने मिलकर गले के कैंसर की पहचान और वर्गीकरण के लिए एक अत्याधुनिक एआइ माडल 'मेडिकल लार्ज कर्नल-स्माल कर्नल नेट' विकसित किया है. इसके तहत 1320 मरीजों की इमेज का अध्ययन किया गया. यह शोध पत्र नेचर पोर्टफोलियो के 'साइंटिफिक रिपोर्ट्स' में प्रकाशित हुआ है.

सबसे जानलेवा कैंसर

प्रो. पुनीत मिश्रा बताते हैं कि लारेंजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा फेफड़े के कैंसर के बाद सांस नली से जुड़ा दूसरा सबसे आम और जानलेवा कैंसर है. तंबाकू, बीड़ी-सिगरेट और गुटखा के अत्यधिक सेवन के कारण उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में यह बीमारी तेजी से बढ़ रही है.

शुरुआत में पहचान मुश्किल

शुरुआती अवस्था में कैंसर के सूक्ष्म लक्षणों को साधारण एंडोस्कोपी से पहचानना बेहद जटिल और समय लेने वाला होता है. समय पर सही पहचान न होने के कारण मरीजों का इलाज में देरी हो जाती है, जिससे जान का खतरा बढ़ जाता है. यह एआइ माडल नैरो बैंड इमेजिंग और एंडोस्कोपिक छवियों का विश्लेषण करके कैंसर के मुख्य व सूक्ष्म रक्त वाहिका पैटर्न को अत्यधिक सटीकता के साथ वर्गीकृत करता है.

बारीकियां समझता है

यह कंप्यूटर की जटिलता को कम करते हुए छवियों की गहरी बारीकियों को समझता है, जिससे डाक्टरों को निर्णय लेने में मदद मिलती है. एआइ संचालित स्वचालित स्क्रीनिंग से बार-बार होने वाले जटिल और महंगी जांचों का खर्चा कम होगा.

I NEXT

जमीन के लिए कैबिनेट की मंजूरी जरूरी

एलयू ने प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को लेटर भेज कैबिनेट में प्रस्ताव भेजने का किया आग्रह

LUCKNOW (5 Aug): लखनऊ यूनिवर्सिटी की ओर से सरोजनी नगर में अपने थर्ड कैंपस खोलने को लेकर तेजी से कवायद चल रही है. इसके लिए सरोजनी नगर के पिपरसंड गांव के पास 50 हेक्टेयर जमीन दिए जाने पर सहमति बन चुकी है, लेकिन यह जमीन सीधे एलयू को नहीं मिल सकेगी. इसके लिए कैबिनेट से मंजूरी लेनी होगी, फिर जमीन एलयू के नाम ट्रांसफर की जा सकेगी. इस संबंध में एलयू ने प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को पत्र लिखकर कैबिनेट में प्रस्ताव भेजने का अनुरोध किया है.

कई सालों से हो रहा प्रयास

एलयू में अभी ओएनजीसी भवन में अस्थायी रूप से कृषि संकाय की क्लास संचालित की जा रही हैं. इसके नए कैंपस के लिए कई साल से जमीन पाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं. पिपरसंड में 50 हेक्टेयर कृषि विभाग की जमीन दिए जाने पर सहमति मिल गई है. इसे पाने के लिए सबसे पहले कृषि विभाग कैबिनेट से मंजूरी प्राप्त कर जमीन उच्च शिक्षा विभाग को ट्रांसफर करेगा.

प्रक्रिया पूरी करने का आग्रह

लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. जेपी सैनी ने बताया कि प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को लेटर भेजकर कैबिनेट के माध्यम से इस प्रक्रिया को पूरा करने का आग्रह किया गया है. जमीन मिलने के बाद पिपरसंड में कृषि संकाय के रूप में तीसरा कैंपस खोला जाएगा. वहां कृषि से जुड़े पीजी कोर्स चलाए जाएंगे और स्टूडेंट्स को प्रैक्टिकल करने का भी मौका मिलेगा.

NBT

LU : सात कोर्सों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी

NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से इस साल की प्रवेश प्रक्रिया के तहत छह स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश बंद कर दिए हैं। विवि ने बुधवार को नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इसके तहत छह पाठ्यक्रमों की सभी सीटों पर दाखिले पूरे हो चुके हैं। ऐसे में अब इन कोर्सों में बचे हुए नए अभ्यर्थियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय के अनुसार बीकॉम (ऑनर्स), बीकॉम (एनईपी), बीबीए, बीबीए (बिजनेस एनालिटिक्स), बीसीए और बीसीए (एआई, डेटा साइंस एवं साइबर सिक्योरिटी) की सभी सीटें भर चुकी हैं। इन कोर्सों में अब जो वेटिंग के छात्र हैं, उन्हें एलयू में दाखिला नहीं मिल सकेगा।

HINDUSTAN

एलयू में प्रोफेसर राम कार्यक्रम निदेशक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर राम मिलन को एमबीए फाइनेंस एंड अकाउंटिंग का कार्यक्रम निदेशक नियुक्त किया गया है। कुलपति के अनुमोदन के बाद कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा की ओर से जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, प्रो. राम मिलन अपने विभागीय दायित्वों के साथ यह अतिरिक्त जिम्मेदारी भी निभाएंगे। यह नियुक्ति तीन वर्ष अथवा सेवानिवृत्ति तक जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगी।

एलयू में सीडीपीआर, प्रो. अरविंद मोहन निदेशक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के साथ हुए एमओयू के तहत सेंटर फॉर डवलपमेंट एंड पॉलिसी रिसर्च (सीडीपीआर) की स्थापना का संशोधित कार्यालय आदेश जारी किया है। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा की ओर से जारी आदेश के अनुसार, विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. अरविंद मोहन को सेंटर का निदेशक नियुक्त किया गया है। वह इस पद पर एमओयू की अवधि अथवा सेवानिवृत्ति तक, जो भी पहले हो, कार्य करेंगे।

HINDUSTAN

शिक्षक ने कैंसर जांच काएआईमॉडलबनाया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग के शोधकर्ताओं ने गले के कैंसर की शुरुआती और सटीक पहचान के लिए एआई आधारित नया मॉडल 'मेडएलके-एससीनेट' विकसित किया है। इस शोध को नेचर समूह की प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित किया गया है। यह मॉडल प्रो. पुनीत मिश्रा के नेतृत्व में शोधार्थी मो. उस्मान, प्रज्ञनिक्स लैब्स के सिद्धार्थ चौरसिया और मणिपाल विवि की डॉ. गिनिका महाजन ने तैयार किया है।

शोधकर्ताओं के अनुसार यह मॉडल नैरो बैंड इमेजिंग और एंडोस्कोपी से प्राप्त छवियों का विश्लेषण कर गले के कैंसर से जुड़े सूक्ष्म रक्त वाहिका पैटर्न की पहचान करता है जिससे शुरुआती चरण में बीमारी का पता लगता है।

AMAR UJALA

डिजिटल युग में नई भाषा का विकास : समाजशास्त्री और लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मुकुल श्रीवास्तव का कहना है कि यह सिर्फ एक ट्रेंड नहीं, बल्कि डिजिटल युग में भाषा के विकास का नया चरण है। युवाओं को त्वरित और संक्षिप्त संवाद पसंद है। जैसे लंबे वीडियो की जगह रील ने ले ली है, वैसे ही लंबे वाक्यों की जगह शॉर्टफॉर्म और कोडवर्ड्स ले रहे हैं। यह शैली युवाओं को अलग पहचान देने के साथ-साथ अपने समूह में जुड़ाव का अहसास भी कराती है।

AMAR UJALA

लखनऊ विश्वविद्यालय : छात्रावास आवंटन के लिए आठ तक आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्रावास पुनः आवंटन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब स्नातक, एलएलबी और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के पात्र विद्यार्थी आठ अगस्त तक छात्रावास पुनः आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. आशीष अवस्थी की ओर से बुधवार को जारी सूचना के अनुसार, यह निर्णय यूजी के तृतीय, सप्तम एवं नवम सेमेस्टर, एलएलबी के तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर और पीजी के तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए लागू होगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

सीडीपीआर की स्थापना, प्रो. अरविंद निदेशक

लखनऊ। लविवि ने उत्तर प्रदेश ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के साथ हुए एमओयू के तहत सेंटर फॉर डवलपमेंट एंड पॉलिसी रिसर्च (सीडीपीआर) की स्थापना का संशोधित कार्यालय आदेश जारी किया है। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा की ओर से जारी आदेश के अनुसार, विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. अरविंद मोहन को सेंटर का निदेशक नियुक्त किया गया है। वह इस पद पर एमओयू की अवधि अथवा सेवानिवृत्ति तक, जो भी पहले हो, कार्य करेंगे। विवि प्रशासन ने इस संबंध में 24 जुलाई को जारी पूर्व कार्यालय आदेश को निरस्त करते हुए संशोधित आदेश लागू कर दिया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

प्रो. राम मिलन बने कार्यक्रम निदेशक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्रो. राम मिलन को एमबीए (फाइनेंस एंड अकाउंटिंग) का कार्यक्रम निदेशक (प्रो. इंचार्ज) नियुक्त किया गया है। कुलपति के अनुमोदन के बाद कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा की ओर से जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, प्रो. राम मिलन अपने विभागीय दायित्वों के साथ यह अतिरिक्त जिम्मेदारी भी निभाएंगे। यह नियुक्ति तीन वर्ष अथवा सेवानिवृत्ति तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

DAINIK JAGRAN

तीसरे कैंपस की जमीन के लिए कैबिनेट की मंजूरी अनिवार्य

लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रमुख सचिव को पत्र भेजकर कैबिनेट में प्रस्ताव भेजने के लिए किया आग्रह

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से सरोजनी नगर में अपने तीसरे कैंपस खोलने को लेकर तेजी से कवायद चल रही है। इसके लिए सरोजनी नगर के पिपरसंड गांव के पास 50 हेक्टेयर जमीन दिए जाने पर सहमति बन चुकी है, लेकिन यह जमीन सीधे लवि को नहीं मिल सकेगी। इसके लिए कैबिनेट से मंजूरी लेनी होगी, फिर जमीन लवि के नाम ट्रांसफर की जा सकेगी। इस संबंध में लवि ने प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को पत्र लिखकर कैबिनेट में प्रस्ताव भेजने का अनुरोध किया है।

दरअसल, लवि में अभी ओएनजीसी भवन में अस्थायी रूप से कृषि संकाय की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। इसके नए कैंपस के लिए कई साल से जमीन पाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। लवि प्रशासन के अनुसार, पिपरसंड में 50 हेक्टेयर कृषि विभाग की जमीन दिए जाने पर सहमति मिल गई है, लेकिन इसे पाने के लिए सबसे पहले कृषि विभाग कैबिनेट से मंजूरी प्राप्त कर जमीन उच्च शिक्षा विभाग को ट्रांसफर करेगा। फिर वहां से लखनऊ विश्वविद्यालय के नाम स्थानांतरित की जा सकेगी। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बताया कि प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को पत्र भेजकर कैबिनेट के माध्यम से इस प्रक्रिया को पूरा करने का आग्रह किया गया है। जमीन मिलने के बाद पिपरसंड में कृषि संकाय के रूप में तीसरा कैंपस खोला जाएगा। वहां कृषि से जुड़े परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित होंगे और छात्र-छात्राओं को प्रयोग करने का भी मौका मिलेगा।

DAINIK JAGRAN

गले के कैंसर की सटीक पहचान के लिए बनाया एआइ माडल

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रो. पुनीत मिश्रा के नेतृत्व में रिसर्च स्कालर मो. उस्मान, प्रज्ञनिक्स लैब्स के सिद्धार्थ चौरसिया और मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर की डा. गिनिका महाजन ने मिलकर गले के कैंसर की पहचान और वर्गीकरण के लिए एक अत्याधुनिक एआइ माडल 'मेडिकल लार्ज कर्नल-स्माल कर्नल नेट' विकसित किया है। इसके तहत 1320 मरीजों की इमेज का अध्ययन किया गया। यह शोध पत्र नेचर पोर्टफोलियो के 'साइंटिफिक रिपोर्ट्स' में प्रकाशित हुआ है।

प्रो. पुनीत मिश्रा बताते हैं कि लारेंजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा फेफड़े के कैंसर के बाद सांस नली से जुड़ा दूसरा सबसे जानलेवा कैंसर है। शुरुआती अवस्था में कैंसर के सूक्ष्म लक्षणों को साधारण एंडोस्कोपी से पहचानना बेहद जटिल होता है। यह एआइ माडल नैरो बैंड इमेजिंग और एंडोस्कोपिक छवियों का विश्लेषण करके कैंसर के मुख्य व सूक्ष्म रक्त वाहिका पैटर्न को अत्यधिक सटीकता के साथ वर्गीकृत करता है।

लवि : छह पाठ्यक्रमों की सीटें फुल

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया के तहत छह पाठ्यक्रमों में सभी सीटों पर दाखिले पूरे हो गए हैं। इनमें बी.काम एनईपी, बी.काम आनर्स, बीबीए, बीबीए बिजनेस एनालिटिक्स, बीसीए और बीसीए एआइ, डेटा साइंस व साइबर सिक्योरिटी शामिल हैं। वि.

HINDUSTAN TIMES

LU develops AI tool for early larynx cancer detection

HT Correspondent

letters@htlive.com

LUCKNOW: Researchers from the Computer Science department of Lucknow University have developed an Artificial Intelligence (AI) model that can detect larynx cancer at an early stage with high accuracy. The study has been published in Scientific Reports, a journal of the Nature Group.

The research was led by prof Puneet Mishra. The team included research scholar Mohammad Usman, Siddharth Chaurasia from Pragnyx Labs and Ginika Mahajan from Manipal University Jaipur.

They developed 'MedLK-SCNet', an AI system for detecting cancer of the larynx, the second deadliest cancer of the respiratory tract after lung cancer.

Prof Mishra said the model analyses Narrow Band Imaging and endoscopic images to identify key microvascular patterns associated with cancer. By reducing computational complexity while capturing fine image details, it helps doctors make faster and more accurate clinical decisions.

"Our goal was to build an AI tool that reaches beyond laboratories and benefits people at the grassroots. 'MedLK-SCNet' will work as an assistive tool for doctors and make early detection of throat cancer easier."

Prof Puneet Mishra SOURCED

I NEXT

प्रो. राम मिलन बने निदेशक

एलयू के कामर्स विभाग के हेड प्रो. राम मिलन को एमबीए फाइनेंस एंड एकाउंटिंग प्रोग्राम का निदेशक बनाया गया है. उनका कार्यकाल तीन वर्ष के लिए होगा. कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने इसका आदेश जारी किया है. वहीं, अर्थशास्त्र विभाग के वरिष्ठ शिक्षक प्रो. अरविंद मोहन को सेंटर फार डेवलपमेंट एंड पालिसी रिसर्च के निदेशक पद की जिम्मेदारी दी गई है.

DAINIK JAGRAN

बीएससी एनईपी तीसरे सेमेस्टर में 12 तक होगा प्रवेश

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बी.एससी एनईपी दूसरे सेमेस्टर के उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को तीसरे सेमेस्टर प्रवेश के लिए 12 अगस्त तक प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा गया है। उन्हें काउंसिलिंग फार्म, दूसरे सेमेस्टर की अंकतालिका एवं फीस रसीद निर्धारित तिथि तक विज्ञान संकाय कार्यालय में जमा करना होगा। वि.

प्रो. राम मिलन बने निदेशक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कामर्स विभाग के हेड प्रो. राम मिलन को एमबीए फाइनेंस एंड एकाउंटिंग प्रोग्राम का निदेशक बनाया गया है। उनका कार्यकाल तीन वर्ष के लिए होगा। कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने इसका आदेश जारी किया है। वि.

प्रो. राम मिलन

UNIVERSITY NEWS 06 AUJUST 2026

I NEXT

टीचर्स की 'ब्रिलियंस' को आज दिया जाएगा सम्मान

चीफ गेस्ट डीएम विशाख जी. करेंगे 20 टीचर्स को सम्मानित

निराला नगर स्थित होटल रेग्नेट में होगा टीचर ब्रिलियंस अवॉर्ड–2026

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (5 Aug): एजुकेशन केवल क्लास रूम से बुक्स तक ही सीमित नहीं रह गई है बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करने का सबसे सशक्त जरिया बन चुकी है. इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए अमृता विश्व विद्यापीठम और दैनिक जागरण आईनेक्स्ट एक बार फिर टीचर ब्रिलियंस अवॉर्ड–2026 का आयोजन कर रहे हैं. इस प्रतिष्ठित सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले टीचर्स, प्रिंसिपल्स और शैक्षणिक प्रशासकों को उनके नवाचार, समर्पण और स्टूडेंट्स के विकास में दिए गए योगदान के लिए आज सम्मानित किया जाएगा. चीफ गेस्ट डीएम विशाख जी. और स्पेशल गेस्ट इंटरनेशनल हॉकी प्लेयर ललित उपाध्याय गुरुवार को निराला नगर स्थित होटल रेग्नेंट में शाम 4 बजे उनका सम्मान करेंगे.

20 टीचर्स होंगे सम्मानित

इस साल शहर के विभिन्न स्कूलों और शिक्षण संस्थानों से बड़ी संख्या में शिक्षकों एवं शैक्षणिक प्रशासकों ने अपने नामांकन भेजे थे. इसमें 50 नॉमिनेशंस का मूल्यांकन करते हुए 20 उत्कृष्ट टीचर्स का चयन स्पेशल ज्यूरी प्रो. गीतांजली मिश्रा, प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ जूलॉजी, एलयू और डॉ. मंजुला उपाध्याय, प्रिंसिपल, नवयुग गर्ल्स पीजी कॉलेज द्वारा किया गया. जहां चयन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी रखी गई थी ताकि सम्मान वास्तव में उन टीचर्स तक पहुंचे, जिन्होंने अपने कार्यों से शिक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है.

ये होंगे खास मेहमान

● विशाख जी., डीएम

● ललित उपाध्याय, अर्जुन अवॉर्डी

20 कैटेगरीज में अवॉर्ड प्रदान किए जाएंगे कार्यक्रम के दौरान

12 सब्जेक्ट कैटेगरी में अवॉर्ड प्रदान किए जाएंगे

08 एडमिनिस्ट्रेशन और कोऑर्डिनेटर कैटेगरी भी इनमें शामिल

20 कैटेगरीज में मिलेगा सम्मान

टीचर ब्रिलियंस अवॉर्ड–2026 के तहत इस बार कुल 20 कैटेगरीज में अवॉर्ड प्रदान किए जाएंगे. इनमें 12 सब्जेक्ट कैटेगरी और 8 एडमिनिस्ट्रेशन एवं कोऑर्डिनेटर कैटेगरी शामिल हैं. इन कैटेगरीज के माध्यम से उन टीचर्स और शिक्षा प्रबंधकों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने शिक्षण पद्धति, नवाचार, नेतृत्व और संस्थागत विकास में विशेष योगदान दिया है. टीचर ब्रिलियंस अवॉर्ड–2026 शिक्षा जगत के उन प्रेरणादायी चेहरों का सम्मान है, जिन्होंने अपनी मेहनत, नवाचार, नेतृत्व क्षमता और समर्पण से स्टूडेंट्स के भविष्य को नई दिशा दी है. यह समारोह न केवल उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान करेगा, बल्कि समाज में शिक्षक के महत्व और उनके योगदान को भी नई पहचान देगा.

वेन्यू : होटल रेग्नेंट

लोकेशन : निराला नगर

टाइमिंग : शाम 4 बजे

ये हैं ज्यूरी मेंबर्स

● डॉ. मंजुला उपाध्याय, प्रिंसिपल, नवयुग गर्ल्स पीजी कॉलेज

● प्रो. गीतांजली मिश्रा, डायरेक्टर रैंकिंग्स, लखनऊ यूनिवर्सिटी